MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shrimati Mamata Thakur: Shrimati Sagarika Ghose (West Bengal), Shrimati Priyanka Chaturvedi (Maharashtra), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shri Subhasish Khuntia (Odisha), Ms. Sushmita Dev (West Bengal), Shrimati Mausam B Noor (West Bengal), Shri Prakash Chik Baraik (West Bengal), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Shrimati Mahua Maji (Jharkhand), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Ritabrata Banerjee (West Bengal), Shri Saket Gokhale (West Bengal), Shri Mohammed Nadimul Haque (West Bengal), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala) and Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu).

Demand to take preventive measures for increasing incidents of road accidents occurring on National Highways

श्री घनश्याम तिवाड़ी (राजस्थान): माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपका ध्यान एक विशेष घटना की ओर आकर्षित करना चाहूंगा। पिछली 20 दिसंबर को, जयपुर के भांकरोटा इलाके में एक गैस टैंकर के सड़क पर चलते हुए आग लग जाने से, उसके पीछे आने वाली बस में जितने लोग बैठे थे, वे जल गए और रास्ते में भी लोग जलते चले गए। इस प्रकार से 40 लोगों का जीवन जलने से समाप्त हो गया। महोदय, इसमें 40 गाड़ियाँ भी जल गईं और बहुत नुक़सान भी हुआ। इस नुक़सान का एक ही कारण था कि नेशनल हाइवे नंबर 8, जो दिल्ली से जयपुर होकर अजमेर तक जाता है, वहाँ पर जयपुर से अजमेर के मार्ग में भांकरोटा में एक पुलिया पर जो फ्लाईओवर बनना था, वह बहुत लंबे टाइम से पेंडिंग है और वहाँ तीन तरफ से ट्रैफिक आकर मिलता है। महोदय, वहाँ पर तीन-चार घंटे तक ट्रैफिक जाम रहता है। यह टैंकर वहाँ पर आया और इधर से यू टर्न पर आने वाली दूसरी गाड़ी से टकराया, जिसकी वजह से इसके साथ चलने वाले बहुत सारे वाहन एक साथ जलकर राख हो गए। वहाँ यह एक बहुत बड़ी समस्या है और इसके कारण बहुत से एक्सिडेंट्स हो गए हैं।

उपसभापति जी, मैं केवल उस एक्सिडेंट की बात नहीं कर रहा हूं, मैं आपसे यह भी निवेदन करना चाहता हूं कि पिछले पाँच सालों में राजमार्गों पर और बाकी सभी को भी मिलाकर देश में 7 लाख, 77 हज़ार लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए हैं। महोदय, मरने वालों के साथ-साथ ही जो लोग विकलांग हो जाते हैं, उनकी भी जीवन भर की समस्या रहती है। इन सभी मामलों को देखते हुए मैं यह कहना चाहता हूं कि जो अन्य अभिप्रेत मृत्यु होती हैं, देश में जो मृत्यु अनजाने में होती हैं, उनमें 43.7 प्रतिशत मृत्यु सड़क दुर्घटनाओं के कारण होती हैं। महोदय, इस समय हिंदुस्तान में मृत्यु के जो दस बड़े कारण हैं, उनमें से एक बहुत बड़ा कारण सड़क दुर्घटनाएं भी हैं। माननीय नितिन गडकरी जी ने लोक सभा में कहा भी था कि सड़क दुर्घटनाओं के कारण देश की छवि खराब है। मैं इन सभी घटनाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि ऑयल लेकर जितने भी टैंकर या वाहन जाते हैं, उनके चालक अच्छी प्रकार से प्रशिक्षित हों और उनकी सुरक्षा का ध्यान रखकर - जिससे दूसरे वाहन उनसे सुरक्षित रहें, इस प्रकार की एक व्यवस्था की जानी चाहिए।

महोदय, इसके साथ ही मैं एक अन्य दूसरा निवेदन भी ट्रैफिक डायवर्ज़न और फ्लाईओवर के बारे में करना चाहूंगा। मेरा अनुरोध है कि इनको ध्यान में रखते हुए तुरंत कदम उठाकर निश्चित दिशा-निर्देश जारी किए जाने चाहिए, ताकि इन सभी घटनाओं से बचा जा सके। इन घटनाओं के कारण बहुत नुक़सान होता है। मैं विशेष रूप से कहूंगा कि जयपुर के भांकरोटा में इस प्रकार की घटनाएं लगातार, बार-बार हो रही हैं। मैं एनएचए से आग्रह करूंगा कि जो ठेकेदार इन कार्यों में विलंब करने के जिम्मेदार हैं और जो कंपनी इनके निर्माण में विलंब करने के लिए जिम्मेदार हैं, उनको उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए और उन पर कार्यवाही की जानी चाहिए। उन पर कार्यवाही करके जो मृत हैं, उनके परिवारों को सरकार के अलावा, उनसे भी मुआवजा दिलाया जाना चाहिए। मैं आपसे यही विनती करना चाहता हूं। ...(**समय की घंटी**)... उपसभापति महोदय, आपने मुझे अपनी बात रखने का अवसर दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shri Ghanshyam Tiwari: Shri Ram Chander Jangra (Haryana), Shri Madan Rathore (Rajasthan), Shri Maharaja Sanajaoba Leishemba (Manipur), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Neeraj Shekhar (Uttar Pradesh), Shri Devendra Pratap Singh (Chhattisgarh), Shri Sujeet Kumar (Odisha), Shri Jose K. Mani (Kerala), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Dr. Kalpana Saini (Uttarakhand), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shrimati Mahua Maji (Jharkhand), Shri Saket Gokhale (West Bengal), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu) and Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu).

धन्यवाद माननीय घनश्याम तिवाड़ी जी। Now, Dr. Ashok Kumar Mittal on 'Need for Insurance Sector Reforms to Ensure Fairness and Accessibility'.

Need for Insurance Sector reforms to ensure fairness and accessibility

डा. अशोक कुमार मित्तल (पंजाब): सर, हमारे देश में इंश्योरेंस एक छतरी की तरह है, जो बारिश के समय आपको बचाता है और कड़कती धूप में भी आपको बचाता है, लेकिन जब हम देखते हैं, तो सच्चाई इसके बिल्कुल विपरीत होती है। चाहे लाइफ इंश्योरेंस हो या मेडिकल इंश्योरेंस का सैटलमेंट हो, एक आम आदमी दफ्तरों के चक्कर लगाता रहता है। दूसरी तरफ जो सेलिब्रेटी स्टेट्स इन्जॉय करते हैं, उनका क्लेम उनके हॉस्पिटल में जाने से पहले ही सैटल हो जाता है, जो कि हमने पिछले हफ्ते देखा। गरीब आदमी का न तो हेल्थ क्लेम सैटल होता है और न ही उसको हॉस्पिटल से डिस्चार्ज मिलता है। कई बार तो लाश भी नहीं दी जाती है और कहा जाता है कि पहले पैसा सैटल करो।

सर, लाइफ इंश्योरेंस सेक्टर में discontinued policy का एक बहुत ही चिंताजनक मुद्दा है। यदि आप किसी भी वजह से - चाहे आपकी नौकरी चली गई या बिजनेस बंद हो गया - अपना प्रीमियम नहीं दे पाए, तो आपकी पॉलिसी लैप्स हो जाती है, आपका इंश्योरेंस कवर चला जाता है और गरीब आदमी द्वारा इन्वेस्ट किया हुआ पैसा भी चला जाता है तथा उसे discontinuation fund में डाल देते हैं। सर, मैं एलआईसी के कुछ आंकड़े यहां पर बताना चाहूंगा। 2021-22 में ऐसे